परमाणु निःशस्त्रीकरण : वैश्विक प्रयास और समस्याएँ

* सीताराम चौधरी

मानव की मानव के प्रति सामूहिक हिंसा की सर्वाधिक वीभत्स अभिव्यक्ति युद्ध है। यह उन्माद की वह अवस्था है जिसमें हत्या एवं जघन्य अपराध भी क्षम्य ही नहीं सराहनीय भी हो जाते है। कुछ जननायक युद्धों का प्रयोग स्वयं के स्वार्थो के लिए करते हैं परन्तु इसमऐं बहुसंख्यक जनता उत्पीड़ित ही होती है। व्यवहार में युद्धरत पक्षों में से कोई एक सदैव विजय श्री प्राप्त करता है, लेकिन मानवता अनिवार्यतः पराजित ही होती है। दुर्भाग्य यह है कि इतिहास के प्रारम्भिक काल से ही न केवल इस पाप कृत्य के प्रणेताओं को वीरों के रूप में सम्मानित व प्रतिष्ठित किया जाता रहा है अपितु इसकी विनाशकता संवर्धित करने हेतु नित्य नूतन आवि कार भी किया किये जाते रहे हैं। प्रागैतिहासिक युग के पाषाण से शास्त्र से लेकिर आधुनिक युग के ताप नाभिकीय अस्त्रों , जैविक–रसायन हथियार, परमाणु शस्त्रों का विकास संस्थात्मक हिंसा के व्यापीकरण का क्रमिक इतिहास है।

एक तरफ परमाणु शस्त्रीकरण और दूसरी तरफ वैश्विक शांति के लिए परमाणु निःशस्त्रीकरण जिसका शाब्दिक अर्थ है शारीरिक हिंसा के प्रयोग के समस्त भौतिक तथा मानवीय साधनों का अनमूलन, एक कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य परमाणु हथियारों के अस्तित्व और उनकी प्रकृति से उत्पन्न कुछ विशिष्ट खतरों को कम करना है। इससे हथियारों की सीमा निश्चित करने या उन पर नियंत्रण करने या उन्हें हटाने का विचार ध्वनित होता है। परमाणु निःशस्त्रीकरण इस मूल आस्था पर आधारित है परमाणु निःशस्त्रीकरण संकल्पना उस महाविनाश को रोकने का एक प्रयास है जो युद्ध के रूप में अभिव्यक्ति प्राप्त करता **है। हैन्स जे. मार्गेथाऊ**"1" निःशस्त्रीकरण की दौड़ को समाप्त करने हेतु कुछ अथवा समस्त शस्त्रों में कटोती अथवा उनकी समाप्ति है" **लीचर** के शब्दों मैं "2" दो या दो अधिक राष्ट्रों द्वारा स्वेच्छा से समझोते द्वारा ऐसे सभी उपकरणों को सीमित कटोती करना, उन्मूलन या नियंत्रण करना कुछ भी हो सकता है। **वी.वी.डार्यक**" के अनुसार सैन्य शक्ति से सम्बिन्धित किसी भी नियंत्रित करने या प्रतिबन्ध लगाने के कार्य को निःशस्त्रीकरण की कार्यवाही समझा जा सकता है" व्याख्याता, राजकीय महाविद्यालय, चिमनपुरा, शाहपुरा ऐसा ही कुछ मार्गेथाऊ ने कहा है कि"3" शस्त्रों की दोड को समाप्त करने के लिए कुछ या सभी शस्त्रों को कम करना अथवा उसे समाप्त कर देना निःशस्त्रीकरण है" निःशस्त्रीकरण को समझने के लिए इसे छः रूपों में विभाजित किया जा सकता हैः

I. सामान्य निःशस्त्रीकरण II. स्थानीय निःशस्त्रीकरण III. पारस्परिक निःशस्त्रीकरण IV. आणविक निःशस्त्रीकरण V. मात्रात्मक निःशस्त्रीकरण VI. गुणात्मक निःशस्त्रीकरण

अतः निःशस्त्रीकरण चाहे किसी भी रूप में हो उसका अन्तिम उद्देश्य मानव जाति की पूर्णतः रक्षा करना है, संयुक्त राष्ट्र की स्थापना भी विश्व शान्ति एवं आने वाली पीढियों को युद्ध से बचाने के लिए की गई थी। संयुक्त राष्ट्र संघ के चार्टर 11—26—47 में निःशस्त्रीकरण या शस्त्रों को समाप्त करने का प्रावधान किया गया, 1946 में एक अणु शक्तिा आयोग,मई, 1947 में परम्परागत शस्त्र आयोग, 1952 में निःशस्त्रीकरण आयोग 1998 में परमाणु निःशस्त्रीकरण पर प्रस्ताव, इसके अलावा वैश्विक स्तर पर भी निःशस्त्रीकरण के प्रयास किये गये या संधियाँ की गई जैसेः— • आंशिक परीक्षण प्रतिबन्ध संधि,1963 (Partical tesat ban treaty 19693) • बाहरी अंतरिक्ष संधि,1967 (Outer space treaty 1967)(Tialeloco treaty 1967) • परमाणु अस्त्र अप्रसार संधि,1968 (Nuclear non proliferation treaty 1968) • समुद्री तल संधि,1971 (Sea bed treaty 1971) • जैविक शस्त्र समझौता,1972 (Biological weapons convenytion 1972) • सामरिक शस्त्र परिसीमन वार्ता,1970 (SALT-1 1970) • अणु प्रक्षेपास्त्र व्यवस्था संधि,1971 (ABM system treaty 1971) • अमेंरिका सोवियत संघ शस्त्र समझौता,1974 (USA, sovit arms pact 1974) • हेलसिंकी सम्मेंलन तथा निःशस्त्रीकरण,1975 (Helsinki conference and disarmament) • पर्यावरण सुधारक तकनीकों का सैन्य तथा शत्रुतापूर्ण लक्ष्यों के लिए प्रयोग पर प्रतिबन्ध संधि,1977 • समरिक शस्त्र परिसीमन संधि,1979 (SALT-2 ,1979) • चंद्र संधि,1981 (Moon treaty,1981) • (Inhuman weapons treaty ,1981) • (Rarotonga treaty, 1985) • (chemical weapons conventions, 1993) • व्यापक परमाणु निषेध संधि,1996 (CTBT, 1996) • परमाणु शस्त्र कटौती संधि, अमेंरिका और रूस 0002

लेकिन आज भी सयुक्त राष्ट्र संध (न्छव्) की एक रिपोर्ट

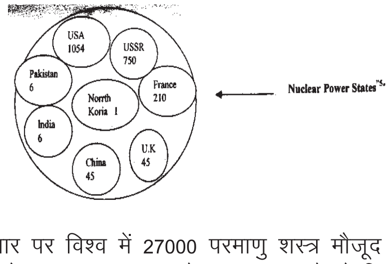

के आधार पर विश्व में 27000 परमाणु शस्त्र मौजूद है। तथा वर्तमान में परमाणु संपन्न राष्ट्रों पर नजर डाले तो निम्न स्थिति है।

· know nuclear power outside NPT - Indian

* टीचर रिसर्च फेलो, राजनीति विज्ञान विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर।

Nuclear The weapons 70-120 active warheads"6" - Pak Nuclear weapons 30-80 active warheads - North Korean Nuclear weapons 1-10 active warheads - Undeclared Nuclear weapons statesa outside NPT - Israele Nuclear weapons 75-200 active Warheads"7"

· **Former Nuclear weapone statesa** - South African Nuclear weapons "3" · Non.Nuclear weapone statesa who have been accused of having Nuclear Weapne Programs - Iran - Libyan · Nucler weapons sharing State "9" Belgium"Germany, italy, Netherlands] Turkey and historically, Canada, Greece · Former Soviet Countriesa Belarus[1U]Krain[11]kraine[12]

इन प्रयासों के परिणाम स्वरूप भी समस्या ज्यों कि त्यों बनी हुई है। मार्गेन्थाऊ[13] ने चार प्रकार की समस्याओं से अवगत कराया है जो कि इस प्रकार हैः–

I. विभिन्न राष्ट्रों के बीच परिणाम (Ratio) समन्धित कितना रहेगा? II. वह मापदण्ड क्या है जिसके अनुसार इस परिणाम सम्बन्ध के अन्तर्गत विभिन्न प्रकार एवं गुणों में के शस्त्र विभिन्न देशों के लिए निर्धारित किये जायेंगे? III. उक्त देशों प्रश्नों का प्रत्युत्तर प्रप्त होने पर यह देखना हे कि इन दो उतरों का हथियारों की सोची गई कमी पर वास्तविक प्रभाव क्या पडेया? IV. निःशस्त्रीकरण का अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति और व्यवस्था के विषयों पर क्या प्रभाव पडेगा?

मार्गेथाऊ का मत है कि निःशस्त्रीकरण के किसी भी प्रयास की सफलता की जांच करने के लिए हमें इन चार प्रश्नों की कसोटी पर ही उसकों कसना चाहिए इनके प्रश्नों के प्रत्युत्तर के आधार पर ही उनकी सफलताओं और असफलताओं का अंकन किया जा सकता है।

वी.वी. डाईक (V.V.Dyke) ने निःशस्त्रीकरण की निम्न समस्याएं बताई[14]शस्त्राशस्त्रों में बना रहने वाला निरन्तर विश्वास,शक्ति के अनुपात पर समझोते की समस्या, निःशस्त्रीकरण तथा शस्त्र नियंत्रण के अनुपात पर समझोता लागू करने की समस्या, विभिन्न राष्ट्रों के बीच भारी अविश्वास की समस्या, असुरक्षा की भावना, राजनैतिक शत्रुता तथा विरोध, सैन्य तकनीकी की भारी गतिशीलता, तथा आर्थिक व्यवस्था में शस्त्राशस्त्र उधोग का महत्त्वं। इसके अलावा[15] राष्ट्रवाद पर जोर, राष्ट्र सम्प्रभुता पर अंकुश पसन्द नहीं करते, महाशक्तियों को अपनी अर्थव्यवस्था प्रभावित होने का डर, यह भी एक अवरोध है कि पहले राजनैतिक समस्याओं का हल किया जाए तथा निःशस्त्रीकरण का प्रश्न, एक तरफ निःशस्त्रीकरण की मांग उठती है, दूसरी तरफ नयें नयें शस्त्रों की खोज करने हेतु मानव जिज्ञासु है, एक तरफ हर देश चाहता है कि वैज्ञानिक विकास हो, दूसरी तरफ ओर शस्त्र कम हों दोनो एक दूसरे के विपरीत है, युद्ध करना अथवा नहीं करना शस्त्रीकरण पर नहीं अपितु सरकार और बहुत कुछ राजनितिज्ञों पर निर्भर है। शस्त्रों को आक्रमणात्मक व रक्षात्मक श्रेणी में विभाजित करना कठिन है साथ ही शक्ति विनिश्चय (Power deterrent) का भी महत्त्व है।

फीडमेंन के अनुसार[16] "आज सम्पूर्ण विश्व जनमत निःशस्त्रीकरण के पक्ष में.. परन्तु उन्हें (राष्ट्रों) को भय है कि कही एक पक्ष निःशस्त्रीकरण का दूसरा पक्ष लाभ न उठा ले" **जॉन फोस्टर डेलेस्ट** के अनुसार[17] इसी समस्या के कारण आज तक अमेंरिका के द्वारा निःशस्त्रीकरण की योजनाओं का समर्थन सच्चे दिल से न किया जा सका" इसी समस्या को सुलझाने के बारे में सुझाव दिया गया है कि 1. पूर्णरूप से ही निःशस्त्रीकरण कर दिया जाए 2. अन्तर्राष्ट्रीय पुलिस शक्ति द्वारा देशों को सामुहिक सुरक्षा का आश्वासन दिया जाए। किन्तु यह सुझाव भी सफल नहीं हो सकते जब तक की पहले शस्त्रों को कम न किया जाए, इसलियें अनुपात ही समस्या का मूल है। समय की पुकार और आवश्यकता के रूप में विश्व शान्ति की स्थापना के लिए परमाणु निःशस्त्रीकरण आवश्यक है, परमाणु निःशस्त्रीकरण के माध्यम से ही शीत युद्ध व अन्तराष्ट्रीय तनाव कम हो सकते है तथा मानव कल्याण सम्भव बन सकता है। यदि इस समस्या का हल नहीं किया तो मेंरी स्वयं की यह मान्यता है कि परमाणु हथियार या परमाणु बंम बनाने की तकनीकी आतंकवादियों (विशेषकर तालिबानियो और ओसामा–बिन–लादेन तक) पहुँच सकते हैं। जिनका प्रयोग संहार व युद्ध के रूप में किया जा सकता है जो अत्यधिक भयावह होगा। अतः परमाणु सम्पन्न राष्ट्र व अर्न्तराष्ट्रिय बिरादरी अपने राष्ट्रीय हितों से ऊपर उठकर वैश्विक मानवता के बारे में सोचे व अपना परमाणु जखीरे को निश्चित समय सीमा में समाप्त करें तथा भेदभाव रहित संधियों को संयुक्त राष्ट्र संघ के माध्यम से शक्ति से लागु करे।

सन्दर्भ-

1. घई यू. आर. : अन्तराष्ट्रीय राजनीति–सिद्धांत एवं व्यवहार प . 272 न्यू एकेडमिक पब्लिशिंग कम्पनी जालंधर 2. सिंह एम.के एवं संयुक्त राष्ट्र संघ प . 196 कल्पना पब्लिशिंग एण्ड डिस्ट्री ब्यूटर्स दिल्ली 3. शर्मा आर.डी. : अन्तराष्ट्रीय संगठन पृ. 13 सुमित एन्टरप्राइजेज नई दिल्ली 4. डार गुलाम मोहम्मद : एन इन्ट्रोडक्शन टु इन्टरनेशनल रिलेशन प . 245 रजत पब्लिकेशन नई दिल्ली 5 नेचुरल डिफेंस काउसिल : द बूलेरिन ऑफ द एटॉमिक सांइटिस्टस 6- Barack obama and Toe Biden's plan to secure America and Resatore our standing. 7- Norris, Koberts. Willam Arisn, Hans. mkristen sen. And Joshua Handler. 8- Nuclear disarmament us policy word http://www.wspw.org 9-Berlin Information center for transatlantic security: NATO Nuclear Sharing amd the N.P.T. Quesations to be Answered. 10- Belarus Special weapons, Federation of American Scientists 11. Kazakhstan Special Weapons, Federation of American Scientists 12. Ukrain Special Weapons,Global Secutity.Org. 13. शर्मा आर.डी. : अन्तराष्ट्रीय संगठन पृ. 14 सुमित एन्टरप्राइजेज नई दिल्ली 14. घई यू. आर. : अन्तराष्ट्रीय राजनीति–सिद्धांत एवं व्यवहार प . 307–308 नयू एकेडमिक पब्लिशिंग कम्पनी जालंधर 15. शर्मा आर. डी. : अन्तराष्ट्रीय संगठन पृ. 14–19 सुमित एन्टरप्राइजेज नई दिल्ली 16. सिंह एम.के./आशुतोष कुमार : संयुक्त राष्ट्र संघ प . 204 कल्पना पब्लिशिंग एण्ड डिस्ट्री ब्यूटर्स दिल्ली 17. शर्मा आर.डी अन्तर्राष्ट्रीय संगठन पृ. 15 सुमित एन्टरप्राइजेज, नई दिल्ली